



सब का सपना



निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

लोहिया संस्थान के 194 तकनीकी कर्मियों का इंतजार खत्म

पेज: 3

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया

पेज: 8

वर्ष : 02

अंक : 160

सोमवार 14 सितंबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

नवजात को निजी अस्पताल ने बनाया बंधक, पुलिस ने छुड़ाया

गोरखपुर (एजेंसी)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए रेफर की गई एक नवजात बच्ची को एंबुलेंस चालक ने धोखे से फातिमा बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचा दिया। स्वजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल ने पहले 96 हजार रुपये वसूले और फिर बच्ची को बंधक बनाकर डिस्चार्ज के लिए 90 हजार रुपये और मांगे। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद अतिरिक्त 30 हजार रुपये लेकर बच्ची को छोड़ा गया। कुशीनगर के कसया स्थित वरदान अस्पताल में 29 अगस्त को जन्मी इस बच्ची को सांस लेने में दिक्कत थी। प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने 5 सितंबर को उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। बच्ची के बाबा अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि इसी दौरान एक निजी एंबुलेंस चालक ने उन्हें गुमराह किया और बेहतर सलाज का झांसा देकर शाहपुर के फातिमा बाईपास स्थित एकता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करा दिया। स्वजनों के मुताबिक, 5 सितंबर से बच्ची का उपचार इसी अस्पताल में चल रहा था। इस दौरान इलाज और दवा के नाम पर उनसे 96 हजार रुपये जमा करा लिए गए। जब उन्होंने बच्ची को डिस्चार्ज कर बीआरडी ले जाने का अनुरोध किया, तो अस्पताल प्रबंधन ने 90 हजार रुपये को डिस्चार्ज थाने में दोनों पक्षों को बुलाया गया। शाहपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि समझाने-बुझाने के बाद 30 हजार रुपये और लेकर नवजात को डिस्चार्ज कराया गया। हालांकि, अस्पताल संचालक मैनुवैन ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि केवल उपचार में लगे खर्च की ही धनराशि ली गई है।

निखिल कोचिंग संचालक ने मांगी सुरक्षा, कहा- खान सर से खतरा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर रफ फैजल खान एक बार फिर गंभीर विवादों में घिरे नजर आ रहे हैं। पहले रोशन आनंद के साथ उनके विवाद ने सुर्खियां बटोरी थीं, और अब करीब एक महीने पहले उत्तर प्रदेश की एक लड़की ने खान सर के खिलाफ पटना के पीरबहोर थाने में सुरक्षा को लेकर एक आवेदन दिया था, जिससे नया विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में निखिल कोचिंग संस्थान के डायरेक्टर निखिल कुमार ने उस लड़की का खुलकर समर्थन किया है, जिसके बाद उन्होंने खान सर के कथित गुर्गों द्वारा धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है। निखिल कुमार ने इस संबंध में पटना सिटी एसडीपीओ और पटना एसएसपी को एक लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा है कि उनके गुर्गों द्वारा उनकी रेकी (जासूसी) की जा रही है और उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

पश्चिम बंगाल में बिना पंजीयन कर चल रहे 252 मदरसों को बंद करने का नोटिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बिना पंजीकरण या मान्यता के संचालित हो रहे मदरसों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य के 22 जिलों और कोलकाता में कराए गए सर्वेक्षण में 2396 मदरसे ऐसे पाए गए हैं, जिनके पास सरकारी पंजीकरण या किसी मान्यता प्राप्त सरकारी बोर्ड की मंजूरी नहीं है। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग की ओर से कराए गए इस सर्वेक्षण के आधार पर पहले चरण में 252 मदरसों को तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकांश के मुताबिक सर्वेक्षण में कुल 2,132 मदरसे ऐसे पाए गए जो जरूरी पंजीकरण या मान्यता के साथ संचालित हो रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन के बांद मदरसा शिक्षा निदेशालय ने 252 संस्थानों को संवालन तत्काल बंद करने का निर्देश दिया है। इन नोटिस की प्रतियां संबंधित जिलाधिकारियों को भी भेजी गई हैं। जिलाधिकारियों को यह तय करने के लिए कहा गया है कि संबंधित संस्थानों का संचालन बंद हो। इसके अलावा 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। यदि वे अपनी गंभीरता साबित करने में विफल रहते हैं तो कानून के तहत उनके खिलाफ भी बंद करने की कार्रवाई की जा सकती है।

सागर शराब कांड में 2 की और मौत, मृतक संख्या 36 हुई

सागर (एजेंसी)। सागर जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांड में उपचार के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही जहरीली शराब से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अवैध शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े लोगों की तलाश में जुटी है। वहीं, अस्पतालों में भर्ती अन्य प्रभावित लोगों के उपचार पर भी निगरानी रखी जा रही है। इस घटना ने अवैध शराब के कारोबार और प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता देने की मांग की है।

आतंकवाद से लेकर वैश्विक सुधार तक ब्रिक्स देशों का साझा रुख

ब्रिक्स घोषणापत्र में भारत की कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली, एजेंसी।

यहां आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, जिसने आतंकवाद, वैश्विक शासन सुधार और मध्य-पूर्व संकट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदस्य देशों का साझा रुख प्रस्तुत किया। इस घोषणापत्र को भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, खासकर तब जब विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर साझा सहमति बनाना कठिन माना जा रहा था। घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के पहलूगाम में अप्रैल 2025 को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई, जिसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी। ब्रिक्स ने देश-समर्थित सीमा पार आतंकवाद, इसकी फंडिंग और आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ जोरों टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। चीन और रूस जैसे देशों की मौजूदगी में किसी विशिष्ट आतंकी घटना का नाम शामिल करना और सीमा पार आतंकवाद पर सीधा रुख अपनाना भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा रही है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की मांग को दोहराते हुए ब्रिक्स देशों ने इसे अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधि और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। चीन और रूस ने विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र



में भारत और ब्राजील की बड़ी भूमिका और आकांक्षाओं के प्रति अपने समर्थन को दोहराया। चीन का पहले यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करना और अब इस पर सहमति जानना, भारत की दीर्घकालिक कोशिशों को रणनीतिक बल प्रदान करता है। गाजा संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए घोषणापत्र में बिना बाधा मानवीय सहायता पहुंचाने और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई। घोषणापत्र में एकतरफा टैरिफ, व्यापार बाधाओं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना लगाए

जाने वाले आर्थिक प्रतिबंधों का विरोध किया गया। यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म जैसे ग्रीन-टैक्स उपायों को संरक्षणवाद करार दिया गया। इसके अतिरिक्त, ब्रिक्स ने विश्व व्यापार संगठन में तत्काल सुधार और उसके ठप पड़े विवाद निपटान तंत्र की बहाली की मांग की, जो नियम-आधारित वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सदस्य देशों ने आपस में स्थानीय मुद्दों में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने और भुगतान प्रणालियों के बीच इंटर-कनेक्शन विकसित करने पर सहमति

जताई, जिससे अमेरिकी डॉलर पर वैश्विक निर्भरता कम होगी। भारत के गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी आईएफएससी में ब्रिक्स रिस्क लैब स्थापित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया गया, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शासन पर भारत की पहल एआई इपैक्ट समिट की सराहना की गई, जो भारत को नियम-आधारित वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। घोषणापत्र में शांतिपूर्ण परमाणु ठिकानों पर हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया और ऊर्जा सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया गया।

ब्रिक्स में विशेषज्ञों ने कहा- भारत बना वैश्विक डिजिटल और एआई का केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने भारत की डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक भूमिका की जमकर सराहना की। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत तेजी से एक वैश्विक एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेषकर एजेंटिक एआई का उभरता दैर, आने वाले वर्षों में रोजगार और काम करने के तरीकों में बड़े बदलाव लाएगा। उन्होंने सरकारों और उद्योगों को इस बदलती तकनीक को समझकर इसका भुगतान मॉडल, विशेषकर यूपीआई, जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की को भी विश्व के लिए एक अत्यंत उपयोगी उदाहरण बताया, जो समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन का एक प्रतीक बन गया है। इस अवसर पर मिश्र के एआई विशेषज्ञ अहमद गमाल ने ब्रिक्स दूसरे वर्षी विशेषज्ञता से सीखने और को उपरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए नवाचार को गति देने के लिए तकनीकी सहयोग और नवाचार का प्रोत्साहित किया।

एक साझा मंच बताया। उन्होंने भारत और मिश्र के बीच एआई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिससे भविष्य में संयुक्त परियोजनाओं और ज्ञान साझा करने का मजबूत आधार तैयार हो सकता है। गमाल ने यह भी कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेषकर एजेंटिक एआई का उभरता दैर, आने वाले वर्षों में रोजगार और काम करने के तरीकों में बड़े बदलाव लाएगा। उन्होंने सरकारों और उद्योगों को इस बदलती तकनीक को समझकर इसका भुगतान मॉडल, विशेषकर यूपीआई, जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की को भी विश्व के लिए एक अत्यंत उपयोगी उदाहरण बताया, जो समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन का एक प्रतीक बन गया है। इस अवसर पर मिश्र के एआई विशेषज्ञ अहमद गमाल ने ब्रिक्स दूसरे वर्षी विशेषज्ञता से सीखने और को उपरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए नवाचार को गति देने के लिए तकनीकी सहयोग और नवाचार का प्रोत्साहित किया।

सवालोंने पर बोले दीपके- मुझे सीएम समझ रहे हैं तो इस्तीफा दे देता हूं

बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

बालाघाट, एजेंसी।

मध्य प्रदेश के बालाघाट पहुंचे कॉर्पोरेशन के जनता पार्टी (सीजेपी) के संयोजक अभिजीत दीपके को शनिवार को एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। आदिवासी इलाके में संक्रामक बीमारियों से बच्चों की मौतों के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे दीपके की कार को कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने घेर लिया और उनसे तीखे सवाल किए, जिसके बाद दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि आप मुझे मुख्यमंत्री समझ रहे हैं तो मैं इस्तीफा दिए देता हूँ। वायरल हुए एक वीडियो में, एक महिला इन्फ्लुएंसर खुद को बताते हुए दीपके से पूछती सुनाई दे रही है कि क्या वह लाशों पर राजनीति करने आए हैं और इतनी देर दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि वह मध्य प्रदेश के राजभवन जाकर राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर अपना इस्तीफा दे



हैं। महिला को यह कहते भी सुना गया, यहां अच्छी सड़क बनी है, दिखाई नहीं दे रही क्या? इस बहस के बाद अभिजीत दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि वह मध्य प्रदेश के राजभवन जाकर राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर अपना इस्तीफा दे

देंगे। उनकी पार्टी, सीजेपी ने भी इसी तर्ज पर तंज कसते हुए कहा कि अभिजीत दीपके को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इन्फ्लुएंसर्स ऐसे प्रश्न कर रहे

थे जैसे सूबे के मुख्यमंत्री से बात कर रहे हों। दीपके बालाघाट में उन आदिवासी परिवारों से मिलने पहुंचे थे, जिन्होंने अपने बच्चे खो दिए थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा बताया जा रहे मौतों के आंकड़े वास्तविकता के मुकाबले बहुत कम हैं। दीपके ने दावा किया कि आदिवासियों के सड़क पर उतरने के बाद कम से कम 86 बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, और अगर बच्चों को समय पर इलाज मिल जाता तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। स्थानीय पत्रकारों ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि दूरदराज के गांव में बाहर से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का समूह मौजूद था। उन्होंने आशंका जताई कि दीपके के दौर में बाधा डालने के लिए इन लोगों को किसी के कहने पर वहां भेजा गया था, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

ब्रिक्स समिट के बीच राहुल गांधी की मलेशियाई पीएम इब्राहिम से मुलाकात

-प्रियंका गांधी भी रही मौजूद, दोनों नेताओं ने ब्रेकफास्ट पर की बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली, (इंएफएन)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में निष्पक्ष के नेता राहुल गांधी से रविवार को मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो' सेरी अनवर बिन इब्राहिम ने मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा भी मौजूद रहीं। दोनों नेताओं की मुलाकात ब्रिक्स सम्मेलन से इतर हुई और उन्होंने साथ में नाश्ता किया। कांग्रेस पार्टी ने इस खास मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के बीच हुई इस मुलाकात को भारत और मलेशिया के बीच बढ़ते संबंधों के बीच अहम माना जा रहा है।



हालांकि, बैठक में किन विशेष मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इससे एक दिन पहले मलेशियाई प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी द्विपक्षीय मुलाकात की थी। ब्रिक्स से इतर हुई इस बैठक में दोनों देशों के बीच सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद कहा था कि भारत और मलेशिया के संबंध अब सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा की आवाजोही

जैसे नए और महत्वाकांक्षी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच बढ़ता रहा सहयोग, द्विपक्षीय निवेश और लोगों के बीच मजबूत होते संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति दे रहे हैं। मोदी ने यह भी कहा था कि भारत और मलेशिया दोनों देशों के रिश्तों की पूरी क्षमता हासिल करने के लिए मिलकर काम जारी रखेंगे। वहीं, द्विपक्षीय बैठक की शुरुआत में अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता की भी तारीफ की थी।

पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट बांटे गए

-रिपोर्ट में खुलासा, राजनीतिक पार्टियों ने दागियों को टिकट देने की वजह नहीं बताई

नई दिल्ली, एजेंसी।

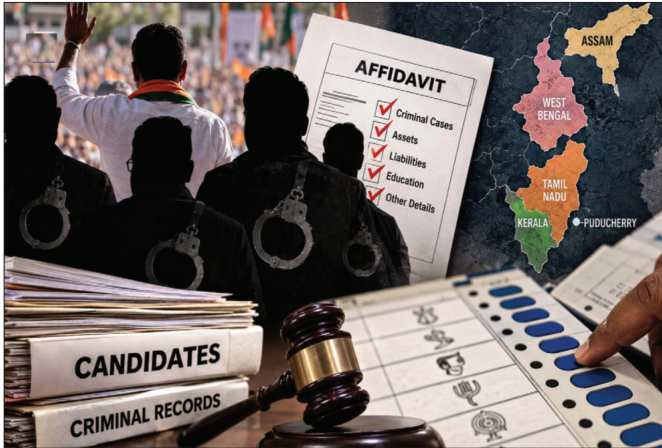
एसोसिएशन फॉर्म डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) की रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट दिए गए। ये राज्य असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पार्टियों ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले 176 उम्मीदवारों को टिकट देने की वजह नहीं बताई। एडीआर ने 51 पार्टियों के 3,539 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड की जांच की। इनमें 1,405 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में अपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें से 1,229 प्रत्याशियों के

लिए पार्टियों ने सी-7 फॉर्म में जानकारी दी, जबकि 176 ने जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक पांचों राज्यों में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 72 उम्मीदवारों के सी-7 खुलासे नहीं मिले। एडीआर ने यहां 1,162 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड देखा, जिनमें 473 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 55, केरल में 27, पुडुचेरी में 12 और असम में 10 उम्मीदवारों की सी-7 जानकारी उपलब्ध नहीं थी। पुडुचेरी में 112 उम्मीदवारों में से 39 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें सिर्फ 12 उम्मीदवारों के टिकट देने का कारण

उपलब्ध था।

एडीआर ने सिर्फ सी-7 जानकारी गायब होने पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि पार्टियों की ओर से दिए गए कारणों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कई उम्मीदवारों के लिए लोकप्रियता, सामाजिक कार्य, अनुभव, योग्यता और अच्छे ख़िव जैसे एक ही तरह के कारण बताए गए। कई मामलों में भाषा भी एक जैसी थी यानी हर उम्मीदवार के आपराधिक रिकॉर्ड और योग्यता के आधार पर अलग कारण बताने के बजाय एक तय भाषा का इस्तेमाल किया गया। एडीआर ने तमिलनाडु में बीजेपी,

एआईएडीएमके, डीएमके और टीवीके के कुछ उम्मीदवारों के सी-7 फॉर्म में एक जैसे शब्दों का इस्तेमाल का जिक्र किया है। इससे सवाल उठता है कि क्या उम्मीदवारों के चयन की वजहों को अलग-अलग तैयार किया गया था या सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई। एडीआर ने कहा कि रिपोर्ट चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान पार्टियों की वेबसाइट और सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर तैयार की गई है। संभव है कि कुछ पार्टियों ने सी-7 की जानकारी किसी दूसरे जरिए से जारी की हो, जो एडीआर के रिकॉर्ड में नहीं आ पाई गई। इसलिए 191 मामलों में जानकारी नहीं मिलने को सीधे नियमों का उल्लंघन नहीं माना गया



है। इसे सार्वजनिक रिकॉर्ड में जानकारी

उपलब्ध न होने के तौर पर देखा गया है।

संपादकीय

व्यापार घाटे का ब्रिक्स

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आगाज हो चुका है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनिंपिंग के आगमन की भी पुष्टि हो चुकी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात हुई। कई समझौते परवान चढ़े। उनका विश्लेषण अलग से किया जाएगा। दरअसल हमने ईरान युद्ध के संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन का विश्लेषण किया था। आज भारत की अर्थव्यवस्था, ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार और भारत के निरंतर घाटे की चर्चा कर रहे हैं। ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब भी ब्रिक्स के सदस्य देश हैं। फिलहाल उनके बीच एक विनाशक, विध्वंसक युद्ध जारी है। ईरान ने उनके तेल ठिकानों, रिफाइनरियों, संयंत्रों पर ऐसे हमले किए हैं कि उनके उत्पादन खत्म हो गए हैं या वे भस्म हो गए हैं, नतीजतन दुनिया संकट में है। हालांकि अमरीका-इजरायल इस युद्ध के ह्वनरसंहारी चेहेरेहू हैं। ईरान युद्ध के कारण अभी तक भारत को 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ह्वाराजकापीय धक्काहू लग चुका है। यह अनुमान है, जबकि हकीकत इससे ज्यादा हो सकती है! इसी के कारण हमारा चालू खाता घाटा भी जीडीपी का 1.9 फीसदी से 2 फीसदी तक बढ़ चुका है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026-27 की आखिरी विकास दर 6.5 फीसदी के करीब हो सकती है, लिहाजा एक तिमाही की 7.8 फीसदी विकास दर पर अधिक फुलफुलाना नहीं चाहिए। भारत ब्रिक्स देशों-चीन, रूस, अमीरात, सऊदी, ब्राजील-के साथ लगातार कारोबार करता रहा है, लेकिन चिंता की बात यह है कि हम लगातार व्यापार-असंतुलन के शिकार हो रहे हैं और भारत आज तक ह्वानाश्रितहू, असहाय, लाचार है। ह्वआत्मनिर्भरताहू तो बहुत दूर की कौड़ी है। चीन के साथ भारत का व्यापार-घाटा 9.92 लाख करोड़ रुपए का है, तो रूस की तुलना में भारत 4.48 लाख करोड़ रुपए के घाटे में है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ करीब 2.34 लाख करोड़ रुपए और सऊदी अरब के साथ भी करीब 1.81 लाख करोड़ रुपए का व्यापार-घाटा हम झेल रहे हैं। ब्राजील सरीखे अपेक्षाकृत छोटे देश के साथ भी भारत का व्यापार-घाटा करीब 9579 करोड़ रुपए का है।

चितन-मनन

जीवन एक क्रिकेट मैच

प्रांतिकारी संत तरुणसागरजी ने क्रिकेट की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन एक क्रिकेट है, धरती की विराट पिच पर समय बॉलिंग कर रहा है। शरीर बल्लेबाज है, परमात्मा के इस आयोजन पर अम्मायर धर्मराज हैं। बीमारियाँ फील्डिंग कर रही हैं, विकेटकीपर यमराज हैं, प्राण हमारा विकेट है, जीवन एक क्रिकेट है। इस डे-नाइट मैच में हमें रचनात्मकता के जलवे दिखाने हैं और साँसों के सीमित ओवर में सृजन के रन बनाने हैं। गिल्लियाँ उड़ने का अर्थ साँस का टूट जाना है, एलबीडब्ल्यू यानी हार्ट-अटैक। दुर्घटना में मरने वाला रन आउट कहलाता है और सीमा पर शहीद होने वाला कैच आउट कहा जाता है। आत्महत्या का अर्थ हिट विकेट और हत्या स्टम्प आउट हो जाना है।

कभी-कभी कुछ आप्रामक खिलाड़ी जल्दी ही पैवेलियन लौट जाते हैं, लेकिन पारी ऐसी खेलते हैं कि कीर्तिमान बना जाते हैं, सबका अपना-अपना रन रेरे है, जीवन एक क्रिकेट है। घर आए अतिथि को भोजन के लिए पूछा करो, भोजन के लिए नहीं पूछ सकते तो पानी के लिए पूछा करो, पानी का नहीं पूछ सकते हैं तो बैठने के लिए आसन दिया करो। बैठने के लिए आसन भी नहीं दे सकते तो दो मिठे बोल बोला करो। दो मिठे बोल नहीं बोल सकते, मुस्कुराहट भी नहीं दे सकते तो चुल्लू भर पानी में डूब मरो। उक्त प्रेरक विचार उन्होंने प्रवचनमाला में व्यक्त किए। हाथों में मोबाइल हो न हो, चेहरे पर स्माइल हर हाल में होना चाहिए। आदमी स्मार्ट मोबाइल से नहीं, मुस्कुराहट से बनता है। हँसना पुण्य है और हँसाना परमपुण्य है। जब आप हसते हैं तो आप ईश्वर की आराधना करते हैं। जब आप किसी रोते हुए को हँसाते हो तो ईश्वर आपकी आराधना करता है। दुनिया के सामने रोने की आवश्यकता नहीं है। जब पाँच सेकंड मुस्कुराने से फोटो अच्छी आ सकती है तो जिंदगी भर मुस्कुराने से जिंदगी क्यों नहीं अच्छी हो सकती। राजनीतिक लोग पार्टियाँ बदल लेते हैं, वैनर बदल लेते हैं, भाषण बदल जाता है, टोपी बदल जाती है, लेकिन टोपी के नीचे जो खोपड़ी है वही नहीं बदलती। मैं कहता हूँ टोपी को नहीं, खोपड़ी बदलो। आप अपने से बेखबर हैं, कानों के साथ आँखों का उपयोग किया करो। किसी ने कहा है वो दिल के बहुत अच्छे हैं, लेकिन कानों के कच्चे हैं। आदमी सुनी-सुनाई बातों पर यकीन कर लेता है और बरसों की दोस्ती दुश्मनी में बदल जाती है। एसटीडी कॉल करने से पहले शून्य लगाना जरूरी है। उसी तरह गुरु के पास भी जाने से पहले मन का शून्य होना जरूरी है। मन खाली होगा तभी तो कुछ भर पाओगे। शक का कीड़ा एक बार दिमाग में घुस जाए तो उसका कोई इलाज नहीं होता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



कातिलाल मांडेठ

युवाओं की खामोशी को समझना होगा तनाव और अवसाद के बीच साथ का हाथ सबसे बड़ी मदद

आज का युवा सपनों, महत्वाकांक्षाओं और नई संभावनाओं से भरी दुनिया में आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन इसी दौड़ में उसके सामने मानसिक दबाव भी तेजी से बढ़ रहा है। पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की चिंता, प्रतिवोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर को लेकर असमंजस, नौकरी की अनिश्चितता, परिवार की अपेक्षाएं, मित्रों और रिश्तों से जुड़ी प्रेशानियां तथा सामाजिक तुलना कई बार मन पर ऐसा बोझ डाल देती हैं, जिसे युवा अकेले संभाल नहीं पाता। बाहर से



योगेश कुमार गोयल

हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस उस गौरव की स्मृति के रूप में मनाया जाता है, जब हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया था। यह दिवस हिन्दी की समृद्धि, स्वीकार्यता, रचनात्मकता और वैश्विक विस्तार का उत्सव है। निरंतर बढ़ती हिन्दी शक्ति आज न केवल भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देती है बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी प्रगाढ़ छाप छोड़ रही है। आज दुनियाभर में हिन्दी चाहने वालों, बोलने या पढ़ने-समझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिन्दी को लेकर भारतीय और विदेशी विद्वानों, साहित्यकारों तथा विभूतियों का आदर भाव वर्षों से रहा है।

डा. फादर कामिल बुल्के, जिन्होंने हिन्दुस्तानी संस्कृति को आत्मसात किया, हिन्दी को गृहिणी की संज्ञा देते हुए कहा था कि यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत को तो वे मां मानते थे और अंग्रेजी को नौकरानी। इसी तरह आगरिश प्रशासक जॉन ग्रियर्सन ने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे सुंदर और शिरोमणि बताया। ऐसे तमाम उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि हिन्दी, शब्द और विचार के धरातल पर विभिन्न भाषाओं से जितनी आत्मीयता रखती है, उतनी ही भारत के जनमानस से जुड़ी है लेकिन दुखद है कि आज भी पुनरुत्थानवादी मानसिकता वाले कुछ लोग हिन्दी की व्यापकता, समृद्धि और ताकत को नजरअंदाज करते हैं और संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को स्थान नहीं मिलने की बात

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है...

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है।

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है—शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है—विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से।

गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है—ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकाधिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छे नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह

सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भीतर ही भीतर किसी बड़े संघर्ष से गुजर रहा हो सकता है। इसलिए मानसिक परेशानी को कमजोरी समझने के बजाय उसे समय रहते पहचानना और संवेदनशीलता के साथ सुनना आज की बड़ी जरूरत है।

किसी व्यक्ति के जीवन में संकट अचानक दिखाई दे सकता है, लेकिन उसके पीछे चल रहा मानसिक संघर्ष अक्सर लंबे समय से जमा होता रहता है। परेशानी तब और बढ़ जाती है जब व्यक्ति अपनी बात किसी से कह नहीं पाता। उसे लगता है कि परिवार उसकी स्थिति नहीं समझेगा, मित्र उसका मजाक बनाएंगे या समाज उसे कमजोर मान लेगा। यही सोच उसे धीरे-धीरे स्वयं से दूर कर सकती है। इसलिए परिवार और समाज की जिम्मेदारी केवल यह पढ़ने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि पढ़ाई कैसी चल रही है या नौकरी की तैयारी कितनी हुई। यह भी पूछना जरूरी है कि मन कैसा है, क्या कोई परेशानी है और क्या वह किसी बात को लेकर लगातार तनाव में है।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुभव बताते हैं कि आत्महत्या जैसी गंभीर स्थिति के पीछे सामान्यतः कोई एक कारण नहीं होता। कई बार छोटी-छोटी प्रेशानियां एक साथ मिलकर मानसिक दबाव को बढ़ा देती हैं। परीक्षा में असफलता किसी विद्यार्थी के लिए बहुत

संस्कृति, संवाद और आत्मगौरव का उत्सव है हिन्दी दिवस

पर कुतर्क करके उसके वैश्विक पक्ष को कमतर आंकते हैं। हालांकि ऐसी नकारात्मक चर्चाओं से न हिन्दी का कुछ भला हो सकता है, न ही उसका अस्तित्व डिग सकता है। तथ्य यही है कि आज विश्वभर में हिन्दी बोलने वालों का आंकड़ा करोड़ों में है और यह निरंतर बढ़ रहा है।

हिन्दी की ताकत को जानना हो तो उसके सांस्कृतिक, भावनात्मक और रचनात्मक विस्तार को देखना होगा। मातृभाषा का ज्ञान किसी भी व्यक्ति के मन की पीड़ा का सबसे अच्छा समाधान है। महापुरुषों, विद्वानों और नेताओं ने समय-समय पर हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी अपनी भूमिका निभाने में समर्थ है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संवाद व जनसंपर्क का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना। उनके शब्द थे कि सम्पूर्ण भारत की पारस्परिकता के लिए ऐसी भाषा चाहिए, जो जनता का बड़ा भाग जानता-समझता हो। गांधीजी कहते थे, हृदयिल की कोई भाषा नहीं है, दिल से दिल संवाद करता है और राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।हू ये कथन आज भी वैसी ही सार्थकता के साथ जीवंत हैं। अमेरिकी चिकित्सक वाल्टर चैनिंग तो यह मानते थे कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र की शिक्षा एवं प्रशासन की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी और राहुल सांकृत्यायन ने हिन्दी को देश और भाषा की विरासत, सांस्कृतिक धरातल और अधिष्ठान के रूप में देखा। बालकृष्ण शर्मा र्चनाने तो यहाँ तक कहा कि राष्ट्रीय एकता का बंधन केवल हिन्दी ही जोड़ सकती है।

हिन्दी की ऊर्जा और आत्मबल का उदाहरण महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम का एक प्रसंग भी है। सन् 1917 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजी में भाषण दिया था। गांधीजी ने तिलक को स्पष्ट समझाया कि देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में संवाद ही सही अर्थों में दिलों तक पहुंच सकता है। यह भावपूर्ण संवाद भारत के हर नागरिक के गौरव का स्रोत है। महात्मा गांधी ने विविध अवसरों पर हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा कहा था। आज हिन्दी का विस्तार भारत तक सीमित नहीं

बड़ी घटना हो सकती है, वहीं किसी दूसरे युवा के लिए रिश्ते में आई परेशानी, आर्थिक संकट या भविष्य को लेकर अनिश्चितता अधिक भारी पड़ सकती है। बुलिंग, रैगिंग, पारिवारिक विवाद, अकेलापन और लगातार दूसरों से अपनी तुलना करना भी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। जब इन परिस्थितियों के बीच व्यक्ति को भावनात्मक सहारा नहीं मिलता तो उसकी परेशानी गंभीर रूप ले सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक परेशानी हमेशा शब्दों में सामने नहीं आती। कई युवा सीधे यह नहीं कहते कि वे तनाव में हैं या उन्हें मदद चाहिए। उनके व्यवहार में बदलाव दिखाई दे सकता है। जो व्यक्ति पहले परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करता था, वह अचानक चुप रहने लगे, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगे या अपनी पसंदीदा चीजों में रुचि खो दे तो इसे सामान्य बदलाव मानकर छोड़ देना ठीक नहीं है। नींद और भोजन की आदतों में बदलाव, लगातार चिड़चिड़ापन, निराशा, पढ़ाई या काम में ध्यान न लगाना और स्वयं को दूसरों के लिए परेशानी मानने जैसी बातें भी संकेत हो सकती हैं कि व्यक्ति को भावनात्मक सहयोग की जरूरत है। ऐसे समय में सबसे पहला कदम सलाह देना नहीं,

रहा। कई देशों में हिन्दी लोगों के दिलों में बसती है, जहां की स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी संगठित रूप से बोली जाती है। दुनियाभर में सैकड़ों विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, शोध केंद्रों और अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी पढ़ाई जाती है, शोध होती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा बन चुकी है। विश्वभर में लगभग 75 करोड़ लोग हिन्दी बोलते समझते हैं और एथनोलॉग जैसी अंतर्राष्ट्रीय भाषायी संस्थाओं की रिपोर्ट के मुताबिक, वह विश्वभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही है।

हिन्दी का वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव भी आश्चर्यचकित करता है। भारतीय फिल्म उद्योग, जिसे दुनियाभर में हबबॉलीवुडहू के नाम से जाना जाता है, हर साल करीब 1500 फिल्में हिन्दी में बनाता है। ये फिल्मों भारत में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में देखी जाती हैं। हिन्दी फिल्मों, गीतों, साहित्य और कला का प्रभाव विदेशी मंचों, सांस्कृतिक समारोहों, मीडिया एवं एफएम चैनलों तक फैला हुआ है। यूएई में हिन्दी एफएम चैनल स्थानीय लोगों को खास पसंद बन चुके हैं। हिन्दी फिल्म अभिनेता, निमातां व कलाकार विदेशों में शो आयोजित करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का विस्तार होता है। जहां-जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी विशेष सम्मान के साथ जीवंत है। यह यथार्थ हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, तकनीकी और प्रशासन के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। फेसबुक, गूगल, यूट्यूब जैसी कंपनियों ने हिन्दी को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। भारत में 80 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ता हिन्दी में सामग्री अपनाते हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है और इसका प्रसार इतनी गति से हो रहा है कि कुछ ही वर्षों में हिन्दी इंटरनेट की प्रमुख भाषा बन सकती है। हिन्दी की संवैधानिक सुरक्षा भारत में संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के तहत निश्चित है। यह धाराएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार, स्वीकार्यता और संरक्षण का मजबूत

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत



है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है। उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सुचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं को स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो। गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा। गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं

को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मतभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है—ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे। गणेशजी का वाहन मृषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मृषक है। यह मानो अहंकार पर निर्वंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है। गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन—यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है। गणेशजी की चिघ्नहर्ता बड़ा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन

बल्कि सुनना होना चाहिए। कई बार हम किसी परेशान व्यक्ति की बात पूरी होने से पहले ही उसे समझाने लगते हैं। उसे कहा जाता है कि यह तो छोटी बात है, सब ठीक हो जाएगा या दूसरे लोगों की स्थिति तुमसे भी खराब है। इस तरह की बातें समस्या को कम नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति को यह महसूस करा सकती हैं कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसके बजाय शांत होकर उसकी बात सुनना, उसके अनुभव को समझने का प्रयास करना और यह भरोसा दिलाना कि वह अकेला नहीं है, बहुत बड़ा सहारा बन सकता है।

युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परिवार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। माता-पिता को केवल परिणाम और उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय बच्चों की भावनात्मक स्थिति को भी समझना होगा। हर परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं है और हर असफलता भविष्य का अंत नहीं होती। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि वे अपनी परेशानी खुलकर बता सकते हैं और किसी गलती या असफलता के कारण उनका महत्व कम नहीं होता। परिवार में ऐसा वातावरण बने जहां संवाद के लिए डर नहीं, विश्वास हो।



हिंदी दिवस

आधार हैं। यह न केवल भारत की आधिकारिक भाषा है बल्कि सम्पर्क भाषा, प्रशासन और विधि के क्षेत्र में इसका प्रयोग निर्णायक रूप से हो रहा है। भारत के शैक्षिक संस्थाओं, सरकारी कार्यालयों और सांस्कृतिक आयोजनों में हिन्दी को सम्मानपूर्वक अपनाया गया है। विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना, हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की मान्यता दिलवाने की पहल और डिजिटल क्षेत्र में हिन्दी सशक्तीकरण, ये सभी कदम हिन्दी के वैश्विक मंच पर सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए हैं।

कुल मिलाकर, हिन्दी दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, यह हमारी संस्कृति, भाषायी आत्मसम्मान और राष्ट्रीय एकता का दिन है। इस दिन हर भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हिन्दी को रचनात्मक, सुंदर और समृद्ध बनाए रखने में अपना योगदान दे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का सपना केवल राजभाषा का प्रतिष्ठापन नहीं था बल्कि भारत की आत्मा, उसकी विविधता और सांस्कृतिक गौरव की अभिव्यक्ति थी, जिसे हिन्दी ने बखूबी आकार दिया है। हिन्दी भाषा की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिष्ठा आज न केवल भारत की बल्कि विश्व संस्कृति की सबसे मजबूत और सुंदर कड़ी बन चुकी है। इसलिए, हिन्दी दिवस के अवसर पर यही प्रेरणा लें कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी का उत्कर्ष हो, इसकी भाषायी, सांस्कृतिक, साहित्यिक और तकनीकी शक्ति निरंतर बढ़ती रहे और आगामी पीढ़ियां हिन्दी को न केवल संवाद का बल्कि वैश्विक अभिव्यक्ति का सबसे प्रभावशाली माध्यम बनाएं।

नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे। गणेशजी का साहस हमें बताता है कि कंटिनाई जितनी बड़ी हो, संकल्प उससे बड़ा होना चाहिए। ऋद्धि और सिद्धि का गणेशजी से जुड़ाव भी विकास की व्यापक अवधारणा को स्पष्ट करता है। केवल धन-संपदा ऋद्धि नहीं और केवल उपलब्धि सिद्धि नहीं; दोनों का संतुलन आवश्यक है। भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ ज्ञान, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की सिद्धि भी होनी चाहिए। तभी समृद्धि स्थायी और सार्थक बनेगी। शुभ और लाभ का संदेश भी यही है कि उपलब्धि तभी शुभ है जब वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में हो। गणेशजी को प्रथम पुज्य और बुद्धि के देवता के रूप में स्मरण करने की भारतीय परंपरा आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। जब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि विकसित सोच वाले नागरिकों की है। प्रत्येक भारतीय अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, उत्कृष्टता, नवाचार, अनुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे, तो विकास का लक्ष्य जनआंदोलन बन सकता है।

गणेश चतुर्थी इसलिए हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने और उत्सव मनाने का अवसर न दे, बल्कि अपने भीतर गणेशत्व जगाने का संकल्प दे। बुद्धि में विशालता हो, दृष्टि में दूरदर्शिता हो, कानों में संवेदनशीलता हो, वाणी में मधुरता हो, कर्म में शक्ति हो, मन में धैर्य हो और व्यवहार में समावेशिता हो—यही गणेशजी की वास्तविक आराधना है। जब भारत का नागरिक अपने भीतर के विघ्नों—अज्ञान, आलस्य, अहंकार, स्वार्थ और संकीर्णता—पर विजय प्राप्त करेगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। भगवान गणेश का संदेश अंततः यही है कि मंगल बाहर से नहीं आता, उसे अपने विचार, व्यवहार और कर्म से निर्मित करना पड़ता है। यदि गणेशजी की बुद्धि, विवेक, धैर्य, साहस, श्रवणशीलता, आत्मसंयम और समावेशी दृष्टि को राष्ट्रीय जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो भारत केवल आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र नहीं, बल्कि समृद्ध, संस्कारित, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व को दिशा देने वाला आदर्श राष्ट्र बन सकता है। यही गणेश चतुर्थी की सबसे बड़ी राष्ट्रीय साधना और विकसित भारत 2047 के संकल्प की सार्थक परिणति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संभला

www.sabkasapna.com

सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। जनपद में अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद डॉ. आशु अग्रवाल तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण मेलाक द्वारा आयोजित आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया। साथ ही अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा भी आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।



जुमाना लगाया गया।
इसके अलावा मुख्य आरक्षी सचिन
कुमार द्वारा तीन बुलेट मोटरसाइकिलों
में मॉडिफाईड साइलेंसर लगे पाए
जाने पर उनके खिलाफ भी प्रवर्तन

विभाग के अंतर्गत संचालित पट्टों, की कार्यवाहियों, ओवरलॉडिंग के विव्द्वद कारणाई तथा जुमान के संबंघ में जानकारी प्राप्त की गई। पंचायती राज सभाई के अंतर्गत पंचायत घरों, सफाईकर्मियों की संख्या तथा विभिन्न विभागों से संबद्ध सफाईकर्मियों के संख्य में जानकारी ली गई। सॉमित ने निर्दिष्ट किया कि सफाईकर्मियों जहां नियुक्त हैं, वहां अपने मूल कार्यस्थल पर कार्य करें। सफाई के सूर्यय इनकाल महदुर ने दिशा सॉमित की बैडक व्यवस्थल रूप से आयोजित किए जाने पर जोर दिया।

सफाई के सभापति एवं माननीय विधायक राम खिल्लाडी सिंह यादव ने कहा कि बैडक में विभिन्न विभागों से संबंघित महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि बैडक में उठार गए सभी बिंदुओं पर आवश्यक कारणाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने सॉमित के सभापति एवं सभी सूर्ययों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैडक में उठार गए सभी मुद्दों का निवामासुर अनुपालन सुनिश्चित करया जाएगा। सूर्यय अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल, पुलिस अधीक्षक विकास चन्द त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी गोखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, सॉमित के सभापति एवं सदस्यगण तथा संबंघित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बूढ़े बाबा के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, दर्शन-पूजन को लगी लंबी कतारें

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के थाना मंडावर क्षेत्र के सवाजपुर रोड कट (केला वाला) स्थित प्रसिद्ध बूढ़े बाबा मंदिर में रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बाबा के दरबार में प्रसाद चढ़ाने और दर्शन-पूजन के लिए दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बनी रही। भक्त लंबी कतारों में लगकर अपनी बारी



का इंतजार करते नजर आए। श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में

विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में चहल-पहल का माहौल रहा। आस्था और भक्ति से सराबोर श्रद्धालु बाबा के जयकारे लगाते हुए दर्शन के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। रविवार को बूढ़े बाबा मंदिर में उमड़ी भीड़ ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बना दिया।

जनसुनवाई में लापरवाही पर नगीना थाना प्रभारी लाइन हाजिर

एसपी कृष्ण कुमार विश्‍नोई ने की कार्रवाई, इंस्पेक्‍टर धर्मेन्द्र कुमार सिंह को सौंपी नगीना थाने की कमान

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— जनसुनवाई में लापरवाही बरतने पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्‍नोई ने नगीना थाना प्रभारी विक्‍स कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। उनके स्‍थान पर जनस्‍रूचना सेल के प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह को नगीना थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। नवागत एसपी की इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। नगीना थाना तीन स्‍टार इन्‍स्पेक्‍टर स्‍तर का थाना है, लेकिन पिछले करीब दो वर्षों से यहां लगातार दो स्‍टार उपनिरीक्षकों की ही थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दीए जाने को लेकर चर्चाएं बनी हुई थीं। अब एसपी ने इंस्‍पेक्‍टर स्‍तर के अधिकारी को थाना प्रभारी बनाकर व्यवस्‍था में बदलाव का संकेत दिया है। प्राप्‍त जानकारी के अनुसार, 17 अगस्‍त 2024 को उपनिरीक्षक हरिओम सिंह चौहान को नगीना थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वह करीब चार माह ही पद पर रहे। इसके बाद



उपनिरीक्षक तेजपाल सिंह को थाना प्रभारी बनाया गया, लेकिन वह भी करीब आठ माह बाद नगीना से हट गए। इसके बाद 13 अगस्‍त 2025 को उपनिरीक्षक संजय सिंह तोमर को नगीना थाने का चार्ज दिया गया। वह करीब एक माह ही थाना प्रभारी रहे। उनके बाद 19 अक्‍टूबर 2025 को उपनिरीक्षक अक्‍नैश मान ने थाना प्रभारी का पद संभाला और करीब नौ माह तक जिम्मेदारी संभाली। इसी क्रम में 22 जून 2026 को उपनिरीक्षक विकास कुमार को नगीना थाने का प्रभारी बनाया गया था।

ने जिले के थानों में दलालों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए सख्ती शुरू की है। थानों के प्रवेश द्वार पर आने-जाने वालों का नाम, पता और थाने आने का उद्देश्य दर्ज किए जाने की व्यवस्था भी की जा रही है। हालांकि, चर्चा है कि कुछ लोग खुद को पत्रकार या अन्य परिचय देकर किसी न किसी बहाने थानों में पहुंच रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि थाना परिसर में आने वाले हर व्यक्ति—चाहे वह पीड़ित हो, फरियादी, पत्रकार या कोई अन्य व्यक्ति—का नाम, पता और आने का उद्देश्य रजिस्‍टर में दर्ज किया जाए। इससे थानों में अनावश्यक आवाजाही पर प्रभावी निगरानी रखने और दलालों की पहचान करने में पुलिस को मदद मिल सकती है। जनता को उम्मीद है कि एसपी की सख्ती से थानों में पारदर्शिता बढ़ेगी और पीड़ितों को बिना किसी दबाव अथवा बिचौलिए के सौधे पुलिस अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाने का अवसर मिलेगा।

सीएचसी नगीना में हज यात्रियों का स्‍वास्‍थ्‍य परीक्षण शिविर किया आयोजित

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— पवित्र हज यात्रा के लिए मक्का मदीना जाने वाले लोगों के स्‍वास्‍थ्‍य परीक्षण के लिए रविवार को सामुदायिक स्‍वास्‍थ्‍य केंद्र में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें हज के लिए जाने वाले 60 यात्रियों को स्‍वास्‍थ्‍य परीक्षण करने के बाद उन्हें मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट जारी किए गए। सीएचसी नगीना के प्रभारी डॉक्टर विशाल दिवाकर ने बताया



कि शिविर में हज यात्रा पर जाने वाले पुरुषों व महिलाओं के हृदय की जांच के लिए ईसीजी टेस्ट, फेफड़ों की जांच के लिए एक्‍सरे व अन्य जांचों के लिए ब्लड के सैंपल लेकर विभिन्‍न पैथोलॉजी टेस्ट किए गए। स्‍वास्‍थ्‍य परीक्षण शिविर में डॉक्टर विशाल दिवाकर, डॉक्टर मोहम्मद अहमद अली, डॉक्टर माज शम्‍सो व दिव्याशु शेखर ने विभिन्‍न जांचें व स्‍वास्‍थ्‍य परीक्षण किया।

रक्तदान शिविर में 60 रक्‍तवीरों ने किया रक्‍तदान महादान

सर्वोदय ब्लड एंड कंपोनेंट सेंटर की टीम ने किया आयोजन, रक्‍तदाताओं को किया सम्‍मानित



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— नगर के मोहल्ला क्षत्रिय नगर स्थित जीके हॉस्‍पिटल में रविवार को सर्वोदय ब्लड एंड कंपोनेंट सेंटर, धामपुर द्वारा रक्‍तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों ने उत्‍साहपूर्वक भाग लेते हुए 60 यूनिट रक्‍तदान किया। रक्‍तदान करने वाले सभी रक्‍तवीरों को अस्‍पताल की ओर से सम्‍मानित किया गया। शिविर में गगन त्यागी,



वासु अग्रवाल व उनके पुत्र गर्वित अग्रवाल, पार्थ गर्ग, रजनीश कुमार, मुकुल कुमार, गौरव कुमार, योगेश कुमार, हर्ष गुप्‍ता, अनुज गर्ग, विक्रान्त मिश्रा, भावना गर्ग, अनमोल अग्रवाल, विशाल त्यागी, राशि, शोभित, डॉ. जुबैर अहंसारि, मोहम्मद यावर, मोहम्मद फैजान सहित 60 रक्‍तदाताओं ने रक्‍तदान किया। इस अवसर पर डॉ. आकाश अग्रवाल ने कहा कि



हमारे रक्त से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है, इससे बड़ा पुण्य कोई नहीं है। इसी कारण रक्‍तदान को महादान कहा गया है। उन्होंने स्‍वस्‍थ्‍य लोगों से आगे आकर नियमित रूप से रक्‍तदान करने का आह्‍वान किया। धामपुर से आई रक्त संग्रह टीम में डॉ. एनपी सिंह के अलावा जय कुमार शर्मा, मनीष कुमार, अंकुर कुमार, पंकज पंवार, दीप राज

प्रांतीय विज्ञान मेले में डिबाई के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):— 8-9 सितम्बर को आयोजित प्रांतीय विज्ञान मेला प्रतियोगिता में त्रिवेणी दत्त ब्रह्मचारी सरस्वती विद्या मन्दि‍र इंटर कॉलेज, डिबाई के 14 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग, किया। इनमें 10 प्रतिभागियों ने विभिन्‍न वर्गों में स्‍थान प्राप्‍त कर विद्यालय एवं बुलन्‍दशहर विभाग का नाम रोशन किया। रसायन प्रयोग में वान्‍या सिंह ने प्रथम, संवेदक प्रदर्श में केशव ने द्वितीय तथा राघव ने तृतीय स्‍थान प्राप्‍त किया। पत्रवाचन में फाल्‍गुनी राज द्वितीय,



जबकि प्रश्‍नमंच में खुशी, ललित, हिमांशु तथा दर्शन, श्वेतांक,

संजना ने तृतीय स्‍थान प्राप्‍त किया। विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य ने विजयी विद्यार्थियों को बधाई देकर उज्‍ज्वल भविष्य की कामना

बूढ़े बाबू दौज मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

वर्म रोगों से मुक्ति की मान्‍यता के चलते दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु, लोक संस्‍कृति की दिखी अन्‍गूरी छटा

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के नजीबाबाद-हरिद्वार मार्ग स्थित दौज वाले तिराहे पर रविवार को प्राचीन एवं प्रसिद्ध बूढ़े बाबू दौज मेले का भव्‍य आयोजन हुआ। भाद्रपद माह की दौज के अवसर पर आयोजित मेले में सुबह छह बजे से ही नजीबाबाद नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। देखते ही देखते मेला परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार हो उठा। स्‍थानीय मान्‍यता के अनुसार, बूढ़े बाबू के थले पर श्रद्धा और सच्‍चे मन से प्रसाद चढ़ाने से चर्म रोगों से मुक्ति



मिलती है। इसी आस्‍था के चलते लोग दूर-दराज के क्षेत्रों से यहां पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं ने बूढ़े बाबू के थले पर ढोक लगाकर प्रसाद चढ़ाया और अपनी मनोकामनाएं

मिली। मेले में खान-पान की दुकानों के साथ ही खिलौने, मिट्टी के बर्तन तथा विभिन्‍न घरेलू सामान की दुकानें सजी रहीं। बच्चों ने झूले और खिलौनों का आनंद लिया, वहीं महिलाओं एवं ग्रामीणों ने मेले में जमकर खरीदारी की। मेले में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। मेले में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए नजीबाबाद पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्‍था के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। पुलिसकर्मी भीड़ को व्यवस्‍थित करने तथा यातायात व्यवस्‍था बनाए रखने में जुटे रहे। शांतिपूर्ण माहौल में मेले का आयोजन संपन्न हुआ।

काजीपाड़ा में युवक पर फायरिंग से सनसनी

पीछा कर रहे बाइक सवार बदमाश गोली चलाकर फरार, मौके पर बाइक, लोड्डे तमंचा और छूरा बरामद

बिजनौर (सब का सपना):— शहर के मोहल्ला काजीपाड़ा में शनिवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक का पीछा कर रहे बाइक सवार युवकों ने सर्राहा फायरिंग कर दी। गोली चलने की आवाज से मोहल्ले में दहशत फैल गई। इसी बीच वाल्मीकि बस्ती के कुछ युवक मौके पर पहुंच गए। भीड़ को आता देख आरोपी अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार बुल्ला का चौराहा निवासी आमिर पुत्र अफसर का रामलीला क्षेत्र निवासी वासु उर्फ शूटर से विवाद चल रहा है। आमिर का आरोप है कि एक दिन पूर्व वासु और उसके साथियों ने उसके साथ



मारपीट की थी। इस संबंध में उसने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद पुलिस को तहरीर दी थी। बताया गया कि शनिवार रात वासु अपने साथियों के साथ तीन बाइकों पर सवार होकर आमिर का पीछा करते हुए काजीपाड़ा पहुंचा। जान बचाने के

वाल्मीकि बस्ती के कुछ युवक भी मौके पर पहुंच गए। लोगों की भीड़ बढ़ती देख आरोपी घबराकर मौके से फरार हो गए और एक बाइक वहीं छोड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से छोड़ी गई बाइक के साथ लोड्डे तमंचा और छूरा बरामद कर कब्जे में ले लिया। सीओ सिटी अभय कुमार पांडेव ने बताया कि काजीपाड़ा में फायरिंग की घटना हुई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, वासु का नाम पिछले दिनों हुई कुछ अन्य घटनाओं के चलते भी चर्चा में बताया जा रहा है।

युवक को बस से नीचे फेंकने का आरोप, गंभीर चोटों के बाद मौत

भाई ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के कोतवाली धामपुर क्षेत्र के मौजपुर जैतरा के राजस्व ग्राम नौला गंगा में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक के भाई ने गांव के ही एक युवक पर उसे बस से नीचे फेंकने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर में राकेश कुमार पुत्र कल्लू सिंह निवासी मौजपुर जैतरा ने बताया कि 11 सितंबर को उसके भाई राजेश कुमार वाल्मीकि



की मौत हो गई थी। परिजनों ने बिजनौर के रामगंगा घाट पर उसका अंतिम संस्कार किया और रात करीब

विजयपाल बस के ऊपर थे। किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई और बाँबी ने राजेश को बस से नीचे फेंक दिया। नीचे गिरने से राजेश को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर पर जांच शुरू कर दी गई है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

एमबीबीएस में चयन पर विशेष कुमार प्रजापति का सम्मान

केजीएमयू मेडिकल कॉलेज लखनऊ में मिला प्रवेश, महासंघ पदाधिकारियों ने दी बधाई



धामपुर/बिजनौर (सब का सपना) ग्राम जमालपुर बांगर निवासी मेधावी छात्र विशेष कुमार प्रजापति का केजीएमयू मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश होने पर राष्‍ट्रीय प्रजापति महासंघ, जनपद बिजनौर की ओर से सम्‍मान किया गया। विशेष की इस उपलब्‍धि से परिजनों के साथ-साथ गांव और प्रजापति समाज में भी खुशी का माहौल है। गांव में हरकेश कुमार प्रजापति के निवास पर



है। उन्होंने कहा कि विशेष कुमार की उपलब्धि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। विद्यार्थियों को लक्ष्‍य निर्धारित कर निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। प्रतिभा और परिश्रम के बल पर ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। इस अवसर पर महासंघ के संरक्षक शीशराम सिंह प्रजापति, जिलाध्‍यक्ष हरपाल सिंह प्रजापति, उपाध्‍यक्ष

गोपाल सिंह प्रजापति, मुख्‍य महासचिव अरुण कुमार प्रजापति, सौमन सचिव मनजीत सिंह, कोषाध्‍यक्ष ऋषि पाल सिंह तथा प्रचार मंत्री हुकुम सिंह सहित वेद प्रकाश प्रजापति, कैलाशचंद प्रजापति, डॉ. कमल कुमार प्रजापति, पंचराम प्रजापति, सचिन कुमार प्रजापति, बिल्लू प्रजापति, राम सिंह प्रजापति, श्रवण कुमार प्रजापति, कांस्‍टेबल दीपक कुमार प्रजापति और दिनेश कुमार प्रजापति आदि मौजूद रहे।

गैस सिलेंडर चोरी का 24 घंटे में खुलासा, शातिर आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्‍जे से चोरी का सिलेंडर बरामद, पहले से दर्ज हैं चोरी के चार मुकदमे

मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के मंडावली थाना पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी के मामले का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्‍जे से चोरी किया गया एचपी गैस सिलेंडर भी बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के चार मुकदमे दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार 11 सितंबर को भागूवाला निवासी मो. इरफान ने मंडावली थाने में तहरीर देकर घर से एचपी गैस सिलेंडर चोरी होने की शिकायत की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने धारा 305(ए) बीएनएस



के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले के खुलासे के लिए पास, भागूवाला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्‍जे से चोरी किया गया गैस सिलेंडर बरामद किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस

की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी साहिल का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ मंडावली थाने में चोरी के चार अलग-अलग मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक लखनलाल, उपनिरीक्षक राहुल कुमार तथा कांस्‍टेबल मोनु, ब्रिजेश और दुष्यंत शामिल रहे। पुलिस की त्‍वरित कार्रवाई से चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा होने पर स्‍थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की।

उत्पादन ठप, 7 दिन मशीनें बंद ! पंजाब में बिजली संकट के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे डाइंग इंडस्ट्री कारोबारी

लुधियाना। पंजाब के प्रमुख औद्योगिक शहर लुधियाना में बिजली कटौती का संकट गहराने के बाद कारोबारियों का गुस्सा फूट पड़ा है। लगातार हो रही अनिश्चित पावर कट के कारण उत्पादन पूरी तरह ठप होने की कगार पर पहुंच गया है, जिससे तंत आकर डाइंग एसोसिएशन ने अपने सभी सदस्यों से कर्मचारियों के साथ भारी संख्या में वर्धमान चौक पहुंचने का आह्वान किया है। इसके अलावा टेक्सटाइल और होजरी संगठनों से भी इस आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने की अपील की गई है बिजली बंद होने से कच्चा माल खराब

हरपाल चीमा के खिलाफ 15 सितंबर को कांग्रेस का प्रदर्शन, चन्नी बोले- मंत्री को बर्खास्त कर गिरफ्तार करें

चंडीगढ़। गुलजार सिंह की मौत के मामले को लेकर पंजाब कांग्रेस अब आम आदमी पार्टी सरकार पर दबाव बढ़ाने की तैयारी में है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एकस पर पोस्ट कर 15 सितंबर को होने वाले कांग्रेस के विरोध मार्च की जानकारी साझा की है। कांग्रेस ने कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा की मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने और मामले में उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी का यह प्रदर्शन नए पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट के नेतृत्व में शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है त्वरणजीत सिंह चन्नी की ओर से साझा किए गए कार्यक्रम के मुताबिक, 15 सितंबर को सुबह 11 बजे चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस पार्टी कार्यालय से विरोध मार्च निकाला जाएगा। यह मार्च आम आदमी पार्टी के मंत्री हरपाल सिंह

जालंधर में 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत, शव के पास मिले नशे के टीके; भाजपा नेता ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप



जालंधर। जालंधर के बस्ती शेख इलाके में रविवार को 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव पानी वाली टंकी के पास पड़ा मिला। शव के पास नशे के टीके मिलने से प्रथम दृष्टया युवक की मौत नशे की अधिक मात्रा लेने से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी मौत के कारण की पुष्टि नहीं की है। थाना डिवीजन नंबर पांच की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।भाजपा नेता ने पुलिस पर उठाए सवाल
घटना की जानकारी मिलने के बाद भाजपा नेता और पूर्व विधायक शीतल अंगुराल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि घटनास्थल पर पहुंचने के बाद पुलिस ने सबसे पहले वहां पड़े नशे के टीके उठा लिए।शीतल अंगुराल ने दावा किया कि उनके पास घटनास्थल की शुरूआती तस्वीरें मौजूद हैं, जिनमें नशे के टीके दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बस्ती दानिशमंदा और बस्ती शेख क्षेत्र में नशे की बिक्री खुलेआम हो रही है। उनका कहना था कि इलाके में नशे के कारोबार की जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। निष्पक्ष जांच की मांग
भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि घटनास्थल से कथित तौर पर सबूत हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि युवक की मौत नशे की अधिक मात्रा लेने से हुई है तो मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। लुधियाना में बाणा पहनकर घूम रहा था लुटेरा, असली निहंगों ने घेरकर कर दी धुनाई; श्रद्धांजु हुआ वायरल
पोस्टमार्टम के बाद स्पष्ट होगा कारण
उधर, एडीसीपी माधवी शर्मा ने कहा कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि हो सकेगी। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस युवक की पहचान, उसके परिवार और घटनास्थल से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि युवक के पास नशे के टीके कैसे पहुंचे और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत को नशे की अधिक मात्रा से जोड़कर कोई निष्कर्ष निकाला जाएगा।

न्यूजीलैंड में बेटा जेल में है... फर्जी कॉल से डराकर होशियारपुर में पिता से ठग लिए 9 लाख

होशियारपुर। न्यूजीलैंड में रह रहे बेटे के एक्सीडेंट और पुलिस केस में फंसने की झूठी खबर देकर साइबर ठगों ने टांडा के एक पिता से करीब 9 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने व्हाट्सऐप पर खुद को न्यूजीलैंड पुलिस का अधिकारी बताया और पुलिस का अधिकारी बताया और इलाज कराने तथा पुलिस केस से बचाने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करवा ली। बाद में बेटे से बात हुई तो पूरी कब्रानी फर्जी निकली। यह मामला टांडा क्षेत्र के वार्ड नंबर 15, सलॉ रोड निवासी दयाल सिंह पुत्र हरभजन सिंह के साथ हुआ। पीड़ित ने साइबर अपराध थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पहले डर का

प्रशासन के खिलाफ विरोध जताने के लिए 14 सितंबर को दोपहर ढाई बजे चंडीगढ़ रोड स्थित वर्धमान चौक पर धरना देकर यातायात पूरी तरह बाधित किया जाएगा।डाइंग एसोसिएशन ने अपने सभी सदस्यों से कर्मचारियों के साथ भारी संख्या में वर्धमान चौक पहुंचने का आह्वान किया है। इसके अलावा टेक्सटाइल और होजरी संगठनों से भी इस आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने की अपील की गई है बिजली बंद होने से कच्चा माल खराब

हरपाल चीमा के खिलाफ 15 सितंबर को कांग्रेस का प्रदर्शन, चन्नी बोले- मंत्री को बर्खास्त कर गिरफ्तार करें



चीमा के आवास की ओर जाएगा। कांग्रेस ने इस प्रदर्शन में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है।कांग्रेस का कहना है कि गुलजार सिंह की दुखद मौत के मामले में हरपाल सिंह चीमा के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पार्टी ने उनकी मंत्रिमंडल से बर्खास्तगी के साथ तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई है। चन्नी के एकस पोस्ट के बाद यह मुद्दा पंजाब कांग्रेस के राजनीतिक अभियान में प्रमुखता से सामने आया है।पायलट के नेतृत्व में पहला बड़ा प्रदर्शन



कारोबारियों का कहना है कि अनसुलझे बिजली संकट ने उद्योगों

ट्रैक्टर पर वैष्णो देवी से युपी लौट रहे थे तीन श्रद्धालु, जालंधर के भोगपुर में अज्ञात वाहन ने मारी, दो की मौत

जालंधर। जालंधर-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर भोगपुर की दाना मंडी के सामने रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों माता वैष्णो देवी के दर्शन कर ट्रैक्टर पर सवार होकर सहारनपुर लौट रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनके ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मडगाईं पर बैठे दोनों श्रद्धालु उछलकर सड़क पर जा गिरे। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं। मृतकों की पहचान बृज मोहन पुत्र राम कला शर्मा निवासी पुआरका, थाना कोतवाली देहात, सहारनपुर और महिपाल पुत्र नकली निवासी सनरूपपुर, थाना गंगू, जिला सहारनपुर के रूप में हुई है। दोनों के शव जालंधर सिविल अस्पताल की मोर्चरी

लुधियाना से हावड़ा पहली बार रेल से पहुंचा पर्सिमोन, हिमाचल के किसानों को मिला देशभर के बाजारों तक नया रास्ता

लुधियाना। हिमाचल प्रदेश की कुल्लू घाटी में पैदा होने वाला पर्सिमोन फल अब रेल के रास्ते देश के बड़े बाजारों तक पहुंचेगा। फिरोजपुर मंडल के बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट के प्रयासों से पहली बार लुधियाना से हावड़ा के लिए पर्सिमोन की रेल दुलाई शुरू हुई है। अमृतसर-हावड़ा मेल के एसएलआर डिब्बे में लुधियाना रेलवे स्टेशन से 98 पैकेटों में 2600 किलोग्राम पर्सिमोन हावड़ा भेजा गया। रेलवे के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू सहित ठंडे बागवानी क्षेत्रों में किसान अब पर्सिमोन की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। कम लागत, बेहतर कीमत और घरेलू स्तर पर बढ़ती मांग के कारण किसानों को इस फल की खेती में अच्छी संभावनाएँ दिखाई दे रही हैं। बदलती जलवायु के बीच इसे सेब की उलुना में अधिक अनुकूल फल भी माना जा रहा है।पर्सिमोन को

पंजाब चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटी अकाली दल ! धारीवाल में गर्जे काकी, कार्यकर्ताओं को दिया जीत का बड़ा मंत्र

धारीवाल। शिरोमणि अकाली दल को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने और आने वाले 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी के सीनियर नेताओं और वर्कर्स की मीटिंग धारीवाल में हुई। कादिवां हलके के सीनियर नेता और शिरोमणि अकाली दल के महासचिव कंवलप्रीत सिंह काकी खास तौर पर मीटिंग में शामिल हुए। मीटिंग के दौरान मौजूदा राजनीतिक हालातों, और पार्टी को गांव स्तर पर मजबूत करने तथा वर्कर्स को इकट्ठा करने और 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर कंवलप्रीत सिंह काकी ने नेताओं और वर्कर्स को कहा कि पार्टी की मजबूती के लिए सभी नेताओं और वर्कर्स को



जापानी फल और अमरफल के नाम से भी जाना जाता है। यह विटामिन सी, रेशे और शरीर के लिए उपयोगी तत्वों से भरपूर कम कैलोरी वाला पौष्टिक फल है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसकी मांग बढ़ने के साथ किसानों के लिए नए बाजार भी तैयार हो रहे हैं।हावड़ा से आगे बढ़ेगा दायरा
फिरोजपुर मंडल के बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट की ओर से किए

गए प्रयासों के बाद हिमाचल प्रदेश से आने वाले पर्सिमोन के लिए लुधियाना से रेल परिवहन की सुविधा उपलब्ध हुई है। फिलहाल हावड़ा, कोलकाता और सियालहाल के लिए पर्सिमोन भेजा जा रहा है।



मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और लोगों से सीधा संपर्क बढ़ाने के लिए अभी से कोशिशें

के काम करने के पूरे तंत्र को बिगाड़ दिया है। समय पर ऑर्डर पूरे न हो पाने के कारण न सिर्फ आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है, बल्कि विदेशी और घरेलू बाजार में साख भी खराब हो रही है। डाइंग, टेक्सटाइल और होजरी जैसे उद्योगों में मशीनें लगातार चलती हैं। बीच में अचानक बिजली बंद होने से कच्चा माल खराब हो जाता है, मशीनों में खराबी आती है और श्रमिकों को खाली बैठना पड़ता है। इससे उत्पादन की लागत में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो रही

ट्रैक्टर पर वैष्णो देवी से युपी लौट रहे थे तीन श्रद्धालु, जालंधर के भोगपुर में अज्ञात वाहन ने मारी, दो की मौत



में रखवाए गए हैं। पुलिस ने उनके स्वजनों को हादसे की सूचना दे दी है।रात एक बजे पुलिस को मिली सूचना
भोगपुर थाने के जांच अधिकारी तलविंद ने बताया कि रविवार देर रात करीब एक बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष से राजमार्ग पर हादसे की सूचना मिली। इसके बाद थाना पुलिस की टीम सड़क सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंची। वहां ट्रैक्टर सवार श्रद्धालु घायल अवस्था में मिले। पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बृज

है स्थायी समाधान नहीं निकला
उद्योग प्रतिनिधियों ने साफ किया है कि शासन और संबंधित अधिकारियों से कई बार गुहार लगाने के बाद भी जब कोई स्थायी समाधान नहीं निकला, तब उन्हें यह कठोर कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा। अगर अब भी निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था नहीं की गई तो विरोध को और उग्र किया जाएगा। बिजली की यह समस्या सीधे तौर पर उत्पादन, रोजगार और निर्यात पर संकट खड़ा कर रही है।

फाजिल्का के थाने में सुनाई दी धमाके की आवाज, टूटे गाड़ियों के शीशे, जांच में जुटी फोरेंसिक टीम



जलालाबाद (फाजिल्का)। जलालाबाद के थाना सिटी में रात करीब दो बजे अचानक धमाके जैसी तेज आवाज सुनाई देने से पुलिस महकमे में हलचल मच गई। हालांकि धमाका किस वजह से हुआ, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस की ओर से किसी तरह के विस्फोटक के इस्तेमाल की पुष्टि नहीं की गई है। प्रारंभिक जांच में यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया कि धमाका किसी खड़ी कार की बैटरी में खराबी के कारण हुआ या इसके पीछे कोई अन्य वजह रही। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। इसकी पुष्टि करते एसपी इन्वेस्टिगेशन सतेंद्र कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में धमाके के कारणों का पता नहीं चल पाया है। धमाके से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है, हालांकि थाना परिसर में खड़ी दो कारों के शीशे टूटे हैं। उन्होंने बताया कि घटना की वास्तविक वजह पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया है। टीम घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाकर जांच करेगी, जिसके बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि धमाका किस कारण से हुआ। पुलिस की ओर से आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से पहले और बाद की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिल सके। एसपी इन्वेस्टिगेशन ने लोगों से अपील की कि घटना को लेकर किसी तरह की अफवाह या गलत सूचना न फैलाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद ही धमाके के कारणों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

चंडीगढ़ में बारिश ने बदला कोलकाता से आ रही फ्लाइट का रुट, जयपुर एयरपोर्ट पर करानी पड़ी लैंडिंग

चंडीगढ़। कोलकाता से चंडीगढ़ आ रही इंडिगो की फ्लाइट को वर्षा और खराब मौसम के कारण जयपुर डायवर्ट करना पड़ा। फ्लाइट 6ए 874 कोलकाता से सुबह 11:38 बजे रवाना हुई थी। निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक इसे दोपहर करीब 2 बजे चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर लैंड होना। इसी दौरान चंडीगढ़ में मौसम खराब हो गया और तेज वर्षा होने लगी। एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण फ्लाइट को चंडीगढ़ लाने के बजाय जयपुर डायवर्ट करने का फैसला लिया गया। पायलट फ्लाइट को जयपुर ले जाया गया और वहां 3:23 बजे सुरक्षित लैंडिंग करवाई।शव स्पष्ट नहीं हो पाया
कि फ्लाइट में कितने यात्री थी। रविवार और छुट्टी का दिन होने के कारण यात्रियों की संख्या अधिक होने की संभावना है। फ्लाइट के जयपुर डायवर्ट होने के कारण चंडीगढ़ पहुंचने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

लुधियाना में बाणा पहनकर घूम रहा था लुटेरा, असली निहंगों ने घेरकर कर दी धुनाई; Video हुआ वायरल

लुधियाना। लुधियाना के ट्रॉसपोर्ट नगर इलाके में निहंग बाणे की आड़ में लोगों से जबरदस्ती पैसे और सामान छीनने के आरोप में एक युवक को निहंगों ने पकड़कर पीट दिया। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर खूब वायरल हो हा है। आरोप है कि युवक अपने साथी के साथ सफेद रंग की एक्टिवा पर चूमता था और निहंग बाणा पहनकर लोगों को किरपात दिखाकर पैसे मांगता था। हालांकि, इस मामले में पुलिस शिकायत की जानकारी सामने नहीं आई है। बाबा कुलदीप सिंह और उनके साथियों ने एक्टिवा सवार दोनों युवकों को घेर लिया। इस दौरान एक युवक को पकड़ लिया गया और उसकी पिटाई की गई। बाबा कुलदीप सिंह के अनुसार, कुछ समय पहले निहंग बाणे में आए एक्टिवा सवार युवकों ने एक फोटोग्राफर को चलती गाड़ी में रोक लिया था।इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई और पैसे छीनने का प्रयास किया गया। युवक ने किरपात दिखाकर उससे पैसे मांगने की कोशिश भी की थी।दुकांनों से सामान उठाने का आरोप
बाबा कुलदीप सिंह ने आरोप लगाया कि दोनों युवकों निहंग बाणा का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उनके मुताबिक, दोनों इलाके में घूमकर दुकानों के बाहर रखी आटे की बोरियां भी उठाने का आरोप है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से निहंग समाज की छवि प्रभावित होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि दोनों युवक दोबारा किसी से जबरदस्ती या लूटपाट का प्रयास करते हैं तो तत्काल इसकी सूचना दी जाए। पकड़े गए युवक के नशे का आदी होने का आरोप भी लगाया गया है।लतावर्नी देकर दोनों युवकों को छोड़ा
बाबा कुलदीप सिंह ने कहा कि निहंग बाणा सेवा, धर्म की रक्षा और जरूरतमंदों की मदद के लिए है। इसका इस्तेमाल लोगों को डराने या जबरदस्ती पैसे वसूलने के लिए नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि दोनों युवकों को फिलहाल चैतावनी देकर छोड़ दिया गया है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि दोबारा ऐसी हरकत सामने आने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब भाजपा महिला मोर्चा की नई कार्यकारिणी घोषित, लुधियाना की 4 नेत्रियों को राज्य स्तर पर मिली जिम्मेदारी



लुधियाना। पंजाब भाजपा महिला मोर्चा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया गया है। इसमें लुधियाना की चार भाजपा नेत्रियों को प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। लुधियाना भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रह चुकीं शीनू चुग को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। वहीं कनिका जिंदल और राशि अग्रवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। लीना टपरिया को आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। लुधियाना की चार नेत्रियों को एक साथ प्रदेश संगठन में जिम्मेदारी मिलने को शहर के भाजपा संगठन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे लुधियाना में महिला मोर्चा की गतिविधियों को और गति मिलने की उम्मीद है। पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बृ्ध स्तर तक मजबूत करने में जुटी है।चार नेत्रियों को मिली प्रदेश में जिम्मेदारी
नई कार्यकारिणी में शीनू चुग को प्रदेश महामंत्री, कनिका जिंदल और राशि अग्रवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं लीना टपरिया को आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्रदेश स्तर पर चार पद मिलने से लुधियाना की महिला कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है।भाजपा नेताओं का मानना है कि महिला मोर्चा के माध्यम से संगठन की पहुंच महिलाओं तक और मजबूत की जा सकती है। नए महिला कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ने के साथ ही केंद्र और राज्य से जुड़े मुद्दों को घर-घर तक पहुंचाने में महिला मोर्चा की भूमिका अहम हो सकती है।2027 के चुनाव पर संगठन का फोकस
भाजपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन को सक्रिय करने में जुटी है। बृ्ध स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने के साथ महिला मतदाताओं तक पहुंच मजबूत करने की रणनीति पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में महिला मोर्चा में प्रदेश स्तर पर लुधियाना की चार नेत्रियों को जिम्मेदारी मिलना संगठन के लिए अहम माना जा रहा है।

स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सभी नवनिर्भुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। नवनिर्भुक्त नेत्रियों ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की स्थिति बेहतर बनाने के लिए एकमत से वादा करी है।

विनायक चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। यह पर्व हिन्दू धर्म के मानने वालों का मुख्य पर्व है। विनायक चतुर्थी को गणेशोत्सव के रूप में सारे विश्व में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारत में इसकी धूम यूं तो सभी प्रदेशों में होती है, परन्तु विशेष रूप से यह महाराष्ट्र में मनाया जाता है।



गणेशोत्सव

विनायक चतुर्थी के उत्सव को सम्पूर्ण महाराष्ट्र का मुख्य पर्व भी कहा जा सकता है। इस दिन लोग मोहल्लों और चौराहों पर प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी की मूर्ति की स्थापना करते हैं। आरती और भगवान श्री गणेश के जयकारों से सारा माहौल गुंज रहा होता है। इस उत्सव का अंत अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति समुद्र में विसर्जित करने के बाद होता है।

कथा

गणेश चतुर्थी व्रत को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलन में है। इस कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती नर्मदा नदी के निकट बैठे थे। वहां देवी पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से समय व्यतीत करने के लिये चौपड़ का खेल खेलने को कहा। भगवान शंकर चौपड़ खेलने के लिये तैयार तो

हो गये, परन्तु इस खेल में हार-जीत का फैसला कौन करेगा? इसका प्रश्न उठा, इसके जवाब में भगवान भोलेनाथ ने कुछ तिनके एकत्रित कर उसका पुतला बनाकर, उस पुतले की प्राण प्रतिष्ठा कर दी और पुतले से कहा कि- फ़बेदा हम चौपड़ खेलना चाहते हैं, परन्तु हमारी हार-जीत का फैसला करने वाला कोई नहीं है। इसलिये तुम बताना की हम में से कौन हारा और कौन जीता।

चौपड़ का खेल

यह कहने के बाद चौपड़ का खेल प्रारम्भ हो गया। खेल तीन बार खेला गया, और संयोग से तीनों बार पार्वती जी जीत गईं। खेल के समाप्त होने पर बालक से हार-जीत का फैसला करने के लिये कहा गया, तो बालक ने महादेव को विजयी बताया। यह सुनकर माता पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने क्रोध में आकर बालक को लंगडा होने व कीचड़ में पड़े रहने का श्राप दे दिया। बालक ने माता से माफ़ी मांगी और कहा- मुझसे अज्ञानता वश ऐसा हुआ, मैंने किसी द्वेष में ऐसा नहीं किया। बालक के क्षमा मांगने पर माता ने कहा- यहाँ गणेश पूजन के लिये नाग कन्याएं आयेगीं, उनके कहे अनुसार तुम गणेश व्रत करो, ऐसा करने से तुम मुझे प्रसन्न करोगे। यह कहकर माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर्वत पर चली गईं।



गणेश का प्रसन्न होना

ठीक एक वर्ष बाद उस स्थान पर नाग कन्याएं आईं। नाग कन्याओं से श्री गणेश के व्रत की विधि मालुम करने पर उस बालक ने 21 दिन लगातार गणेश जी का व्रत किया। उसकी श्रद्धा देखकर भगवान गणेश प्रसन्न हो गए और उन्होंने बालक को मनोवांछित फल मांगने के लिये कहा। बालक ने कहा- हे विनायक! मुझमें इतनी शक्ति दीजिए, कि मैं अपने पैरों से चलकर अपने माता-पिता के साथ कैलाश पर्वत पर पहुंच सकूँ और वो यह देख प्रसन्न हों। बालक को यह वरदान देकर भगवान गणेश अन्तर्धान हो गए। बालक इसके बाद कैलाश पर्वत पर पहुंच गया और वहाँ पहुंचने की कथा उसने भगवान महादेव को सुनाई। उस दिन से पार्वती जी शिवजी से विमुख हो गईं। देवी के रुध होने पर भगवान शंकर ने भी बालक के बताये अनुसार गणेश का व्रत 21 दिनों तक किया। इसके प्रभाव से माता के मन से भगवान भोलेनाथ के लिये जो नाराजगी थी, वह समाप्त हो गई।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों ?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए।

कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मांगलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करे या ना करे।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं। समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है। यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है। हमारे समाज में

प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश जी को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोट से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं। वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

श्री गणेश पूजन की आसान विधि

श्रीगणेश पूजा अपने आपमें बहुत ही महत्वपूर्ण व कल्याणकारी है। चाहे वह किसी कार्य की सफलता के लिए हो या फिर चाहे किसी कामनापूर्ति स्त्री, पुत्र, पोत्र, धन, समृद्धि के लिए या फिर अचानक ही किसी संकट में पड़े हुए दुखों के निवारण हेतु हो।

- अर्थात् जब कभी किसी व्यक्ति को किसी अनिष्ट की आशंका हो या उसे नाना प्रकार के शारीरिक या आर्थिक कष्ट उठाने पड़ रहे हो तो उसे श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक किसी योग्य व विद्वान ब्राह्मण के सहयोग से श्रीगणपति प्रभु व शिव परिवार का व्रत, आराधना व पूजन करना चाहिए।

- पूजन से पहले नित्यादि क्रियाओं से निवृत्त होकर शुद्ध आसन में बैठकर सभी पूजन सामग्री को एकत्रित कर पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली लाल, चंदन, मोदक आदि एकत्रित कर क्रमशः पूजा करें।
- भगवान श्रीगणेश को तुलसी दल व तुलसी पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए। उन्हें, शुद्ध स्थान से चुनी हुई दुर्वा को धोकर ही चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश भगवान को मोदक (लड्डू) अधिक प्रिय होते हैं इसलिए उन्हें देशी घी से बने मोदक का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।

- श्रीगणेश स्त्रोत से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- श्रीगणेश सहित प्रभु शिव व गौरी, नन्दी, कार्तिकेय सहित सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा षोडशोपचार विधि से करना चाहिए।
- व्रत व पूजा के समय किसी प्रकार का क्रोध व गुस्सा न करें। यह हानिप्रद सिद्ध हो सकता है।
- श्रीगणेश का ध्यान करते हुए शुद्ध व सात्विक चित्त से प्रसन्न रहना चाहिए।
- शास्त्रानुसार श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा बनाकर उसे प्राणप्रतिष्ठित कर पूजन-अर्चन के बाद विसर्जित कर देने का आख्यान मिलता है। किन्तु भजन-कीर्तन आदि आयोजनों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण भक्त 1, 2, 3, 5, 7, 10 आदि दिनों तक पूजन अर्चन करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।
- किसी भी पूजा के उपरांत सभी आवाहित देवताओं की शास्त्रीय विधि से पूजा-अर्चना करने के बाद उनका विसर्जन किया जाता है, किन्तु श्री लक्ष्मी और श्रीगणेश का विसर्जन नहीं किया जाता है। इसलिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करें, किन्तु उन्हें अपने निवास स्थान में श्री लक्ष्मी जी सहित रहने के लिए निमंत्रित करें।
- पूजा के उपरांत अपराध क्षमा प्रार्थना करें, सभी अतिथि व भक्तों का यथा व्यवहार स्वागत करें।

- पूजा कराने वाले ब्राह्मण को संतुष्ट कर यथा विधि पारिश्रामिक (दान) आदि दें, उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर दीर्घायु, आरोग्यता, सुख, समृद्धि, धन-ऐश्वर्य आदि को बढ़ाने के योग्य बनें।
- भारतीय धर्म संस्कृति में किसी कार्य की सफलता हेतु पहले मंगलाचरण या फिर पूज्य देवों के वंदना की परंपरा रही है। किसी कार्य को सुचारु रूप से निर्विघ्नपूर्वक संपन्न करने हेतु सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना व अर्चना का विधान है। इसीलिए सनातन धर्म में सर्वप्रथम श्रीगणेश की पूजा से ही किसी कार्य की शुरुआत होती है। जो भी भक्त भगवान गणेश का व्रत या पूजा करता है उसे श्रीगणेश प्रभु की कृपा और मनोवांछित फल की प्राप्ति अवश्य ही होती है।



श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात्, जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं।

गणेश पुराण के त्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है, वेदस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है।

त्रेता युग में वाहन मोर है, छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है।

द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है, भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है।

वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा) माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश,दूर्वा गणेश,शमी गणेश,गोमेद गणेश आदि।

कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि।

सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र,संकट नाशक स्तोत्र,गणपति

अथर्वशीर्ष,गणेश कवच,शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना- भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्तोत्र आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महाणव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू)अर्पित किए जाते हैं।



बेबी और नाम शबाना के बाद खूब एक्शन रोल ऑफर हुए लेकिन...

दमदार अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली अदाकारा तापसी पन्नू अब अपनी नई फिल्म 'गांधारी' में भी बेटी को तलाशती नेत्रहीन माँ की मजबूत भूमिका में नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि करियर के शुरुआती दौर में बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्मों में एक्शन के लिए तारीफें बटोरने वाली तापसी इसमें लंबे अरसे बाद एक्शन भी करती दिख रही हैं। तापसी बताती हैं कि वह इस ऑनर से इसलिए दूर थीं, क्योंकि एक तो वह एक्शन करके शारीरिक-मानसिक रूप से थक गई थीं, दूसरे अलग तरह के इमोशंस भी एक्सप्लोर करना चाहती थीं।

एजेंट-कॉप के कई एक्शन रोल मना किए

बकौल तापसी, 'बेबी और नाम शबाना' को जिस तरह का प्यार मिला, मेरे लिए वैसे ही रोल करना बहुत काफ़ी लुभावना था, क्योंकि तब ज्यादा लोग एक्शन

कर भी नहीं रहे थे। मुझे अंडर कवर एजेंट, कॉप, मिशन वाले एक्शन रोल ऑफर भी खूब हुए, लेकिन मुझे वो सब नहीं करना था, क्योंकि मैं बहुत थक गई थी। उन फिल्मों में सारा एक्शन मैंने खुद किया था। उसमें कोई इफेक्ट नहीं था, तो वो फिजिकली-मेंटली बहुत मेहनत का काम है। फिर, मैं वायलेंट इंसान भी नहीं हूँ। मैं मारपीट देखकर घबरा जाती हूँ। लोगों को ऐसा लगता नहीं है लेकिन ऐसा है। इसलिए भी मुझे उससे ब्रेक चाहिए था। साथ ही, मुझे बाकी इमोशंस को एक्सप्लोर करने वाले काफ़ी अच्छे रोल भी मिल रहे थे, तो मैंने सोचा अब एक्शन तभी करूंगी, जब इससे ऊपर का कुछ होगा।

हम हीरोइनों की जीत और हार साझा होती है

बॉलिवुड में बड़े बजट की फीमेल सेंट्रिक एक्शन फिल्म की मांग बहुत समय से उठ रही थी, लेकिन आलिया भट्ट की अल्फा के रूप में जब ऐसी फिल्म आई तो वह नहीं चली। नायिका प्रधान फिल्मों की लड़ाई पर इसके असर पर तापसी कहती हैं, 'इस

मामले में एक की जीत हम सबकी जीत होती है, क्योंकि जब एक फीमेल सेंट्रिक फिल्म चलती है तो लोगों को साहस मिलता है कि हाँ, ऐसी पिक्चर चल

कनिका और मैं एक-दूसरे को समझते हैं

गांधारी की लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों संग तापसी मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट, फिर आई हसीन दिलरुबा जैसी फिल्मों में भी साझेदारी कर चुकी हैं। इस बॉन्डिंग पर वह बताती हैं, 'कनिका ने मनमर्जियां की कहानी मुझे सीन के बीच में गाना तक सुनाकर पूरे डिटेल में नरेट की थी। जबकि, गांधारी में सिर्फ चार लाइन में स्टोरी बताई कि ये कहानी है। अगर तू कर रही है तो मैं आगे लिखती हूँ, तो हमारी आपसी समझ और एक दूसरे पर इतना भरोसा बन गया है कि कनिका को पता है कि मैं क्या करना चाहूंगी और क्या नहीं करूंगी। वहीं, मुझे भी ये पता है कि अगर इसने मुझे दो लाइन भी सुना दी हैं ना, तो उसके बाद ये लिख लेगी। वहीं, निर्माता के तौर पर वह फिल्म को बेस्ट तरीके से बनाएंगी। मुझे कोई लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी। वो कनिका लड़ लेगी तो मैं काफ़ी रिलेक्स होती हूँ।'



साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साईस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही हैं। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।' नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्सपेक्टिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।' अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणवीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टरों के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टरों के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टरों के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।' यह फिल्म टाइम टैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है।



संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में करीना कपूर की एंट्री पक्की

क्या करीना कपूर को संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में देखा जाएगा? क्या भंसाली की कोई फिल्म करीना साइन करने वाली है? क्या करीना और भंसाली का दो दशक पुराना मनमुटाव दूर हो गया है? कुछ ऐसे ही सवाल बी-टाउन में पूछे जा रहे हैं। वजह है कि करीना कपूर खान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया।

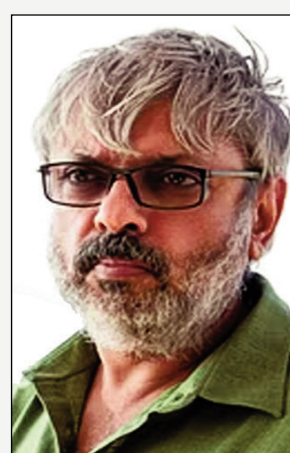
दो दशक पुराने गिले शिकवे दूर हो गए

फिल्म 'देवदास' के बाद से करीना कपूर खान और भंसाली के बीच मतभेद शुरू हो गए। दोनों को कभी साथ काम करने नहीं देखा गया। करीब दो दशक बाद आज अचानक करीना कपूर खान को भंसाली के ऑफिस के बाहर देखा गया तो अटकलें लगने लगीं कि दोनों साथ में किसी फिल्म के लिए काम करने वाले हैं। चर्चा ये भी है कि दोनों ने अपने पुराने मतभेद भुला दिए हैं। भंसाली के ऑफिस के बाहर करीना को देखने के लिए उत्सुक हैं, वहीं उनके पिछले शो फिल्म में नजर आ सकती हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी।

उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन सभालेंगे। हालांकि, आधिकारिक रूप से अभी ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

क्यों हुई करीना और भंसाली में अनबन?

संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म 'देवदास' बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था।



हालांकि, बाद में पारो के रोल के लिए भंसाली ने ऐश्वर्या राय बच्चन को चुन लिया। 2002 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा था, 'उन्होंने मेरे साथ जो किया, वह गलत था। उन्होंने 'देवदास' (2002) के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया। मुझे साइनिंग अमाउंट दिया और फिर किसी और को ले लिया। यह गलत था और मुझे इसलिए ज्यादा बुरा लगा, क्योंकि मैं अपने करियर की शुरुआत में थी'।



जूही मूर्ई के ऑफ एयर होने से टूटा ईशा सिंह का दिल

टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह के लिए 'जूही मूर्ई' सिर्फ एक सीरियल नहीं था, बल्कि ऐसा सफर था जिसमें उन्होंने अपने किरदार के साथ खुद को भी काफ़ी हद तक जोड़ा। यही वजह है कि जब इस शो के ऑफ एयर होने की खबर सामने आई, तो ईशा के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं रहा। एक्टरों का कहना है कि वह इस कहानी और अपने किरदार को अभी और आगे ले जाना चाहती थीं। उन्हें लगता है कि अभी किरदार में बहुत कुछ ऐसा था, जिसे पर्दे पर दिखाया जा सकता था। शो के खत्म होने से वह दिल से काफ़ी दुखी हैं, लेकिन इस सफर से मिली यादों और दर्शकों के प्यार को हमेशा अपने साथ रखेंगी। आईएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव बयान में ईशा ने शो के बंद होने पर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, 'मैं इस समय बेहद दुखी हूँ, क्योंकि मैं चाहती थी कि यह सफर अभी जारी रहे। बतौर एक्टर मैंने पारस किरदार को लेकर अभी बहुत कुछ करने और समझने की गुंजाइश थी। मैं इस भूमिका में खुद को और ज्यादा तलाशना चाहती थी और दर्शकों को भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखाना चाहती थी। हर सफर इंसान को कुछ न कुछ सिखाकर जाता है।'

ईशा ने कहा, 'अगर 'जूही मूर्ई' का ये सफर सच में खत्म हो रहा है, तो मैं इसे सिर्फ शो के बंद होने के तौर पर याद नहीं करना चाहती। मेरे लिए इस शो से जुड़ा प्यार, सेट पर बिताया वक्त, काम करने वाले लोग और बनी हुई यादें ज्यादा मायने रखती हैं। मैं उन फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ, जो शो को बचाने के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। अगर मेरे फैंस अभी भी शो को बचाने की कोशिश कर रहे हैं तो मैं उनकी आवाज सुन रही हूँ और उनकी इस कोशिश के लिए दिल से आभारी हूँ।' एक्टरों ने कहा, 'जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी शो का हिस्सा रहता है तो वह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे उसकी जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। कलाकार सिर्फ कैमरे के सामने लाइन्स बोलकर अपना काम पूरा नहीं करता। वह किरदार को समझता है, उसकी भावनाओं को महसूस करता है और कई-कई घंटे सेट पर बिताता है। 'जूही मूर्ई' का अनुभव मेरे लिए कुछ ऐसा ही रहा। मैंने शो को अपनी परफॉर्मेंस के साथ-साथ अपना समय और पूरी एनर्जी दी है। इसलिए अचानक यह सुनना कि शो खत्म होने जा रहा है, मेरे लिए काफ़ी बाधक कर देने वाला है।'

माही विज ने बताया क्यों छोड़ा था 'सहर होने को है

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज इन दिनों 'बिग बॉस 20' को लेकर चर्चा में हैं। सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले इस रियलिटी शो में माही की एंट्री ने उनके फैंस को काफ़ी उत्साहित किया है। शो में आने के बाद जहां दर्शक उनके अलग-अलग अंदाज को देखने के लिए उत्सुक हैं, वहीं उनके पिछले शो 'सहर होने को है' से बाहर होने को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही थीं। ऐसी चर्चा थी कि माही ने 'बिग बॉस' का हिस्सा बनने के लिए अपना पिछला शो छोड़ा है। अब एक्टरों ने खुद इस बात पर चुप्पी तोड़ी है और बताया कि दोनों फैसलों का आपस में कोई लेना-देना नहीं है। बातचीत में माही विज ने कहा, 'मैं 'सहर होने को है' को जनवरी में ही छोड़ने का फैसला ले चुकी थीं। हालांकि, शो छोड़ने की प्रक्रिया में काफ़ी समय लग गया। मेरा बाहर निकलना अचानक लिया गया फैसला नहीं था। शो के क्रिएटिव्स भी मुझे इतनी जल्दी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए शो से अलग होने में मुझे समय लगा।' माही ने कहा, 'सच कहूँ तो मैं खुद भी उस समय शो छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थीं। 'सहर होने को है' मेरे दिल के काफ़ी करीब था। मैं इस शो से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थी और इसलिए इसे छोड़ना मेरे लिए आसान नहीं था। हालांकि, मैंने 'बिग बॉस' में एंट्री लेने के लिए अपना पिछला शो नहीं छोड़ा है। 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे काफ़ी बाद में

मिला था।' माही ने कहा, 'मैंने बहुत पहले ही शो छोड़ दिया था और 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे बाद में आया। ऐसे में पुराने शो से बाहर होने और नए रियलिटी शो में आने के बीच सीधा संबंध जोड़ना सही नहीं है। मैं पहले ही अपना फैसला ले चुकी थी और 'बिग बॉस' का फैसला बाद में आया।' 'बिग बॉस 20' का हिस्सा बनने को लेकर भी माही काफ़ी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने कहा, 'जिंदगी में समय-समय पर कुछ नया आजमाते रहना चाहिए। 'बिग बॉस' शो को देखना मुझे काफ़ी पसंद है, लेकिन खुद इसमें आने को लेकर पहले कभी इतनी सीरियस नहीं थी। इस बार मुझे खुद समझ नहीं आया कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि मैंने शो का हिस्सा बनने के लिए हाँ कह दी।' माही ने कहा, 'हर काम का एक सही समय होता है और शायद मेरे लिए 'बिग बॉस' करने का समय अब आया है। यही वजह है कि इस बार मैंने इस मौके को स्वीकार कर लिया। अब मैं यह देखने के लिए भी उत्साहित हूँ कि घर के अंदर मेरा सफर किस तरह आगे बढ़ता है।' उन्होंने कहा, 'बिग बॉस' के घर में परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं। अभी मैं नहीं जानती कि घर के अंदर मेरे व्यवहार का कौन सा रूप सामने आएगा। ऐसे में दर्शकों को मेरा एक ऐसा अंदाज भी देखने को मिल सकता है, जिसे उन्होंने पहले नहीं देखा होगा।'

